सेवा का सम्मान

PTI

राष्ट्रपति भवन में मंगलवार को बी.सी. रॉय अवॉर्ड पाने वाले डॉक्टरों की खुशी उनके चेहरों से झलक रही थी।

45 डॉक्टरों को मिला बी. सी. रॉय अवॉर्ड

नगर संवाददाता | नई दिल्ली

डॉक्टर्स डे के मौके पर मंगलवार को राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने देश भर के जाने-माने डॉक्टरों को बी.सी. रॉय नैशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया। राष्ट्रपति भवन के अशोक हॉल में आयोजित कार्यक्रम में जीबी पंत अस्पताल के कार्डियॉलजी डिपार्टमेंट के प्रमुख डॉ. संजय त्यागी, इंडियन मेडिकल असोसिएशन के पूर्व महासचिव डॉ. विनय अग्रवाल, मौलाना आजाद डेंटल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. महेश वर्मा, हार्ट केयर फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. के. के. अग्रवाल और आईएमए के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार, डॉ. नरेश त्रेहन, कैंसर स्पेशलिस्ट डॉ. एस. एच. आडवाणी, फोर्टिस अस्पताल के डॉ. अनूप मिश्रा, नेत्र विज्ञान केंद्र के डॉ. ललित कुमार सहित कई डॉक्टरों को अपने क्षेत्र में बेहतर कार्य के लिए अवॉर्ड दिया गया। उल्लेखनीय है कि पद्म पुरस्कारों के बाद सबसे प्रतिष्ठित माना जाने वाला यह अवॉर्ड हर साल देशभर के 15 डॉक्टरों को दिया जाता है। पिछले 3 सालों से यह अवॉर्ड प्रदान नहीं किया गया था, इसलिए इस बार कुल 45 डॉक्टरों को सम्मानित किया गया।

राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने किया सम्मानित

केंद्र सरकार ने 1991 में डॉ. बी. सी. रॉय की स्मृति में यह पुरस्कार शुरू किया था। उनके जन्मदिन के अवसर पर यह अवॉर्ड प्रदान किया जाता है। डॉ. रॉय चिकित्सा क्षेत्र के प्रेरणास्रोत और प. बंगाल के पहले मुख्यमंत्री थे।

राष्ट्रीय सहारा, नई दिल्ली, बुधवार 2 जुलाई 2008

■ मंगलवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में 'डॉ.बीसी रॉय नेशनल अवार्ड-2007' से सम्मानित डा. अजय कुमार (बाएं) और अन्य पुरस्कार विजेता।

डा. नरेश त्रेहन समेत 54 डाक्टरों को डा. बीसी राय राष्ट्रीय सम्मान

सहारा न्यूज ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 जुलाई।

राष्ट्रपति प्रतिभा देवीसिंह पाटिल ने डा. जाने-माने ह्रदयरोग विशेषज्ञ डा. नरेश त्रेहन, यशलोक अस्पताल मुंबई के डा. एसएच आडवाणी और एम्स के डा. निखिल टंडन सहित 54 जाने-माने चिकित्सकों को डा. बीसी राय राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया। राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती पाटिल ने वर्ष 2005-06-07 के डा. बीसी राय राष्ट्रीय पुरस्कारों का वितरण किया।

वर्ष 2005 के लिए इस पुरस्कार से सम्मानित होने वालों में डा. टीपीआर भारद्वाज, डा. पंकज एम शाह, डा. अनूप मिश्रा, डा. एनके पाण्डेय, डा. विनय अग्रवाल, डा. सुबीर कुमार चटर्जी, साल 2006 के लिए डा. दीपक के. थेमपे, हरिभाई एल. पटेल, डा. गोपीनाथ, डा. ललित कुमार, डा. एमएस अशरफ, डा. संजीव बघई तथा साल 2007 के लिए डा. मीर मुस्तफा हुसैन, प्रो. अलका कृपलानी, डा. एके महापात्रा, डा. अमित बनर्जी, डा. मुजफ्फर अहमद तथा बिहार के जाने माने यूरोलॉजिस्ट डा. अजय कुमार सहित कुल 54 चिकित्सकों को सम्मानित किया गया।

राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस समारोह में स्वयं स्वास्थ्य मंत्री डा. अंबुमणि रामदास भी उपस्थित नहीं रहे। समारोह में बुलाया तो प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह सहित अनेक कैबिनेट मंत्रियों को गया था, पर प्रधानमंत्री तो दूर संबंधित विभाग के मंत्री ने भी समारोह से खुद को दूर ही रखा। इतना ही नहीं स्वास्थ्य राज्यमंत्री भी समारोह में उपस्थित नहीं थीं। पुरस्कार वितरण समारोह के मौके पर स्वास्थ्य मंत्री व दूसरे मंत्रियों की गैर मौजूदगी की चिकित्सकों में चर्चा रही।

भारत ने उत्तरी ध्रुव पर अनुसंधान केंद्र बनाया

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसी)। भारत ने आज उत्तरी ध्रुव पर अपना स्थाई अनुसंधान केंद्र स्थापित किया जो वैज्ञानिकों को धरती के सबसे स्वच्छ वातावरणों में से एक में जलवायु परिवर्तन सहित बहुत से अन्य विषयों पर अध्ययन करने के योग्य बनाएगा।

स्पिट्सबर्जन के पश्चिमी तट 'नी एलेसुंड' में अनुसंधान केंद्र 'हिमाद्री' का उद्घाटन पृथ्वी विज्ञान मंत्री कपिल सिब्बल ने किया। स्पिट्सबर्जन नार्वे के स्वैलबार्ड द्वीप समूहों में सबसे बड़ा द्वीप है। उत्तरी ध्रुव से 1200 किलोमीटर की दूरी पर स्थित नी एलेसुंड सुदूर उत्तर स्थित अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान गांव है जिसका प्रबंधन नार्वे सरकार की कंपनी किंग्स बे द्वारा किया जाता है। 'नी एलेसुंड' में पिछले 11 महीने में भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा चलाए गए दो अभियानों के बाद इस अनुसंधान केंद्र की स्थापना हुई है। राष्ट्रीय ध्रुव एवं सागर अनुसंधान केंद्र गोवा के निदेशक रसिक रविंद्र के नेतृत्व में ध्रुव संबंधी अभियान गत वर्ष अगस्त में शुरू किया गया था।